04 मई, 2020

प्र॰उ॰ शिकागो की सभा में तालियाँ क्यों गूँज उठीं ?

उ॰→ स्वामी विवेकानंद के संबोधन 'भाइयो और बहनो' सुनकर शिकागो की सभा में तालियाँ गूँज उठीं।

प्र॰4. सफलता कब मिलती है ?

उ॰→ अपना पूरा ध्यान काम पर लगाने पर सफलता मिलती है।

Scanned with CamScanner

कक्षा-कार्य

04 मई, 2020 पाठ - 3 स्वामी विवेकानंद

प्र०/उ० 3,4 F.C में लिखो।

गृह-कार्य

कक्षा-कार्य याद करो व प्र०/उ० 1,2,3,4 से कठिन शब्द छाँटकर R.C में लिखो।

Scanned with CamScanner

4 प्रकृति की सुषमा

बातों-बातों में— ❀ पेड़-पौधे, झरने नदियाँ— ये किसके अंग हैं?

❀ वे कौन-कौन सी चीज़ें हैं, जिसे मनुष्य ने नहीं बनाया?

ईश्वर ने सूर्य, चंदमा, तारे, नदियाँ, झरने, पर्वत आदि से प्रकृति को सजाया है। ये प्रकृति में तरह-तरह के रंग भरते हैं। पक्षियों का कलरव मधुर लगता है। ये प्राकृतिक तत्व संसार को सुंदर रूप देते हैं। इस कविता में प्रकृति के इन तत्वों की चर्चा की गई है।

आसमान पर चमका सूरज, दूर हुआ अँधियारा
चंदा ने आकर नभ को, दिया रूप इक प्यारा।
झिलमिल-झिलमिल तारे आए चमकीले-चमकीले
आसमान पर छाए देखो कितने नीले, पीले।

नदियाँ बहतीं, झरने झरते
रंग-बिरंगे पुष्प हैं खिलते।
विविध तरह के फल-फूलों से
प्रकृति के सुंदर रंग झलकते।

चारों ओर लताएँ छाईं, वृक्ष झूमनेवाले
ऊँचे-ऊँचे पर्वत हैं आकाश चूमनेवाले।
चिड़ियों के सुमधुर कलरव से गूँज उठी है धरती
छाई रहती ऐसी सुषमा प्रकृति सदा ही हँसती।

इन सबसे ही लगती हमको दुनिया इतनी प्यारी
इंद्रधनुषी रंगों में रँग दी विधि ने लीला न्यारी।

Scanned with CamScanner

05 मई, 2020

कक्षा - कार्य

पाठ - 4 प्रकृति की सुषमा
कविता याद करो।

गृह - कार्य

पाठ - 4 कविता याद करो व दस कठिन-
शब्द छाँटकर R.C में लिखो।

Scanned with CamScanner

शब्द-अर्थ

Word Power

अँधियारा	—	अँधेरा	कलरव	—	पक्षियों की मधुर आवाज़ chirping of birds
नभ	—	आकाश			
विविध	—	कई तरह के	सुषमा	—	सुंदरता
प्रकृति	—	कुदरत nature	विधि	—	विधाता, ईश्वर
लताएँ	—	बेलें creepers	न्यारी	—	अनोखी

Scanned with CamScanner

Date
Page No.

06 मई, 2020 कक्षा-कार्य

पाठ- 4 प्रकृति की सुषमा

शब्दार्थ F.C में लिखो।

गृह-कार्य

हिंदी व्याकरण पाठ-1 प्र०/उ० (1, 2)

याद करो।

Scanned with CamScanner